PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A. BIHAR UNIVERSITY NEWS
COMPILED BY MEDIA CELL (16.09.2024)

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR, DATE: 16.09.2024, PAGE- 04

विभिन्न जिलों से आए आवेदन, जांच के बाद विवि लेगा फैसला

बीआरएबीयू में खुलेंगे 13 नए लॉ कॉलेज

- बिहार विश्वविद्यालय के अधीन संचालित हो रहे हैं पांच लॉ कॉलेज
- नए कॉलेज खुलने से लॉ के कोर्स में बढ़ जाएंगी 15 सौ तक सीटें

मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता। बीआरए बिहार विवि में 13 नए लॉ कॉलेज खुलने की कतार में हैं। वैशाली से लेकर बेतिया तक में लॉ कॉलेज खोलने के लिए आवेदन विवि प्रशासन को दिए गए हैं। इन कॉलेजों की जांच होने के बाद ही विवि प्रशासन कोई फैसला लेगा।

बीआरएबीयू में अभी लॉ के पांच कॉलेज हैं। इसमें एक अंगीभूत है और बाकी चार कॉलेज निजी हैं। लॉ में दाखिले के लिए अभी करीब 500 सीटें हैं। अगर इन कॉलेजों को खोलने की मान्यता मिल गई तो बीआरएबीयू में लॉ के 18 कॉलेज हो जाएंगे और दो हजार के आसपास सीटें हो जाएंगी। बीआरएबीयू में पिछले वर्ष राजभवन से एलएलएम की भी पढ़ाई पास हुई। एलएलएम का कोर्स एसकेजे लॉ कॉलेज में शुरू किया गया है।

विवि प्रशासन कमेटी बनाकर कराएगी जांच : लॉ कॉलेज खोलने के लिए आवेदनों के बाद विवि प्रशासन टीम बनाकर कॉलेजों का भौतिक सत्यापन कराएगी। भौतिक सत्यापन में कॉलेजों की आधारभूत संरचना, शिक्षकों की संख्या, पुस्तकालय में किताबों की संख्या देखी जाएगी। जांच में अगर कॉलेज सही पाए गए तो उन्हें आवेदन को एफिलिएशन कमेटी के पास भेजा जाएगा। इसके बाद उस पर मुहर लगाई जाएगी। सूत्रों के अनुसार, इन लॉ कॉलेजों की जांच की मॉनिटरिंग खुद कुलपति करेंगे।

लॉ में प्रवेश परीक्षा से होता है दाखिला : बीआरएबीयू में लॉ में दाखिले के लिए छात्रों को प्रवेश परीक्षा देनी होती है। इस वर्ष 22 सितंबर को लॉ की प्रवेश होनी है। प्रवेश परीक्षा में 1700 परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं। परीक्षा केंद्र आरडीएस कॉलेज को बनाया गया है। परीक्षा सुबह 11 से दोपहर एक बजे तक होगी। परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड जारी कर दिया गया है।

अब तक 29 कॉलेजों में कुलपति ने की जांच

बीआरए बिहार विवि इस साल अब तक 29 डिग्री कॉलेजों की जांच कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय ने टीम बनाकर की है। इनमें से पांच कॉलेज ही जांच में पास हुए हैं। कुलपति और उनकी टीम की जांच में बड़े पैमाने पर कॉलेजों में गड़बड़ी मिली। कहीं भवन नहीं था तो कहीं पुस्तकालय और शिक्षक नहीं थे। सीनेट की बैठक में कुलपति ने इन कॉलेजों की जांच की घोषणा की थी।

गड़बड़ी के बाद भी मान्यता देने पर उठ रहे सवाल

जांच में कॉलेजों में गड़बड़ी आने के बाद सवाल खड़ा हो गया है। कॉलेजों में जब इतनी बड़ी गड़बड़ियां थीं तो तत्कालीन कुलपति की ओर से बनाई गई जांच टीम ने इन कॉलेजों को कैसे पास कर दिया। बीआरएबीयू के सिंडिकेट सदस्य डॉ. हरेंद्र कुमार ने कहा कि राजभवन व कुलाधिपति को तत्कालीन कुलपतियों पर कार्रवाई करनी चाहिए कि उनके समय में कैसे बिना भवन वाले कॉलेजों को जांच में पास कर दिया गया।

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR, DATE:16.09-2024, PAGE-04

सामाजिक परिवर्तन के लिए शिक्षा जरूरी : कुलपति

मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता। सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन और विकास के लिए शिक्षा जरूरी है। छात्रों को सशक्त बनाने और राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में योगदान देने में विश्वविद्यालयों की भूमिका अहम है। विवि का मूल लक्ष्य छात्रों का सिर्फ अकादमिक नहीं, बल्कि उनका सर्वांगीण विकास और उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक बनाना होना चाहिए।

ये बातें बीआरए बिहार विवि के कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), पटना में आयोजित महामना मालवीय मिशन के 15वें राष्ट्रीय सम्मेलन में कही। इस दौरान उन्हें सम्मानित किया गया। सम्मेलन में प्रमुख शिक्षाविद् बीएचयू के संस्थापक महामना मदन मोहन मालवीय के आदर्शों और दृष्टि के लिए समर्पित विचारक और शिक्षाविदों ने भाग लिया। उद्घाटन सत्र में प्रो. शंकर वी. टोटावाड़ी और प्रभावशाली विचारक और रणनीतिकार केएन गोविंदाचार्य सहित कई हस्तियां शामिल हुईं। उन्होंने महामना के आदर्शों और उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए कुलपति प्रो. डीसी राय को सम्मानित किया। वीसी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR
DATE: 16.09.2024, PAGE-02

बिहार विवि का रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम के साथ हुआ एमओयू

बिहार विवि के वीसी व रामकृष्ण मिशन के सेक्रेटरी।

मुजफ्फरपुर | बीआरए बिहार विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक व सामाजिक कार्यों में बेहतरी के लिए रामकृष्ण मिशन के साथ एमओयू किया है। इस पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय व रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम के सेक्रेटरी स्वामी भावात्मानंद ने हस्ताक्षर किया। यह समझौता 5 साल के लिए किया गया है। इसके तहत दोनों संस्थान साझेदारी में वर्कशॉप, सेमिनार समेत अन्य कार्यक्रम करेंगे। इसके अलावा मेडिकल, मेडिटेशन, फिलॉसफी और महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में कार्य किए जाएंगे। बता दें कि अब तक विश्वविद्यालय के दो दर्जन से अधिक संस्थानों के साथ समझौता हो चुका है।

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR
DATE : 16.09.2024, PAGE-02

15वें राष्ट्रीय अधिवेशन में कुलपति सम्मानित

महामना मालवीय मिशन

जासं, मुजफ्फरपुर: आइआइटी पटना में आयोजित महामना मालवीय मिशन के 15वें राष्ट्रीय सम्मेलन में बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डीसी राय को सम्मानित किया गया। इसमें बीएचयू के संस्थापक महामना मदन मोहन मालवीय के आदर्शों और दृष्टि के लिए समर्पित विचारक और शिक्षाविदों ने भाग लिया। उद्घाटन सत्र में प्रो. शंकर बी. टोटावाड़ी और प्रभावशाली विचारक और रणनीतिकार केएन. गोविंदाचार्य सहित कई प्रतिष्ठित हस्तियां मौजूद थीं। उन्होंने महामना मालवीय मिशन के आदर्शों और उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के उनके प्रयासों के लिए कुलपति प्रो. डीसी राय को सम्मानित किया। समारोह के दौरान कुलपति प्रो. डीसी राय ने सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन और विकास के लिए शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों को सशक्त बनाने और राष्ट्र निर्माण प्रक्रिया में योगदान देने में विश्वविद्यालयों की भूमिका पर विचार रखे। कहा कि न सिर्फ अकादमिक बल्कि छात्रों के सर्वांगीण विकास और उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक बनाना ही संस्थानों का मूल लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने शिक्षा और शोध की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयास का आह्वान किया। नवाचार पर बल देते हुए कुलपति ने उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के मिशन और विजन को आगे बढ़ाने की दिशा में काम किया है।

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR, DATE: 16.09.2024, PAGE-02

15 अक्टूबर से शुरू हो जाएंगी बैठकें • कॉलेजों को समय पर संबद्धता की पहल

विवि में सीनेट की बैठक 15 नवंबर तक कराने के लिए गाइडलाइन जारी

एजुकेशन रिपोर्टर | मुजफ्फरपुर

शेड्यूल तय : एफिलिएशन कमेटी से होगी बैठकों की शुरुआत

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय समेत राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में सीनेट की बैठक 15 नवंबर तक करा लेनी है। इसके लिए हाईकोर्ट व राजभवन से जारी आदेश के आधार पर उच्च शिक्षा विभाग ने शेड्यूल तय कर दिया है। उच्च शिक्षा निदेशक डॉ. रेखा कुमारी ने सभी विश्वविद्यालयों के कुलसचिव को पत्र लिखकर कहा है कि संबंधन व नव संबंधन के प्रस्ताव सभी निकायों से स्वीकृत करा 15 जनवरी तक सरकार को रिपोर्ट भेज दें। ताकि, सरकार की ओर से कॉलेजों को समय पर संबद्धता मिल जाए। प्रस्तावित कॉलेजों का इंसपेक्शन विश्वविद्यालय स्तर की टीम से 8 अक्टूबर तक करा लें। पत्र में 15 अक्टूबर तक एफिलिएशन कमेटी, 20 अक्टूबर तक एकेडमिक काउंसिल, 30 अक्टूबर तक

सिंडिकेट की बैठक करा लेने के लिए समय निर्धारित किया गया है। बताया गया कि सीनेट की बैठक में सत्र 2025-28 के प्रस्तावित कॉलेजों की स्वीकृति प्रक्रिया पूरी की जाएगी। हालांकि, बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में अब तक सत्र 2024-27 के लिए कॉलेजों को संबंधन नहीं मिल सका है। पिछले साल 29 कॉलेजों ने आवेदन किया था। विश्वविद्यालय स्तर की टीम ने सभी कॉलेजों को क्लीन चिट दे दिया। मार्च में सीनेट की बैठक हुई, तो मानक को लेकर सदस्यों ने सवाल उठाया। कुलाधिपति की अध्यक्षता में चल रही बैठक के दौरान कुलपति ने खुद सभी कॉलेजों की दोबारा जांच करने की घोषणा की। इन कॉलेजों की जांच हुई, तो आधे कॉलेज भी मानक को पूरा नहीं कर रहे हैं। भौतिक सत्यापन के लिए गए अधिकारी यह देखकर हैरान रह गए कि एक कॉलेज केवल कागज पर ही तैयार था। जमीन पर ढांचा भी नहीं मिला। वहीं, कई कॉलेजों में लैब-लाइब्रेरी सहित अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर दुरुस्त नहीं मिले।

विश्वविद्यालय का बजट भी होना है सीनेट से ही स्वीकृत, 15 जनवरी तक सरकार को भेजनी है पूरी रिपोर्ट

सीनेट समेत अन्य निकायों की बैठक के लिए राजभवन और उच्च शिक्षा निदेशालय से शेड्यूल निर्धारित है। इसमें दो ही मुख्य प्रस्ताव होते हैं। एक कॉलेजों के संबंधन का और दूसरा विश्वविद्यालय का बजट। पिछले साल सीनेट की बैठक में विलंब होने के कारण बिहार विश्वविद्यालय से सरकार को प्रोविजनल बजट भेजा गया। ऐसे में निदेशालय की ओर से कहा गया है कि समय से बैठक करा बजट सरकार को भेजें। विश्वविद्यालय के अधिकारी ने बताया कि अगले वित्तीय वर्ष यानी 2025-26 के लिए बजट तैयार करके भेजा जाना है। 15 जनवरी तक बजट भेज दिए जाने पर मार्च तक सरकार से स्वीकृति मिल जाएगी। विश्वविद्यालय से समय पर बजट नहीं दिए जाने के बाद सरकार की ओर से अनुमानित राशि बजट में शामिल कर ली जाती है।

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR
DATE: 16.09.2024, PAGE-04

रामकृष्ण मिशन के साथ बीआरएबीयू का एमओयू

संवाददाता,मुजफ्फरपुर

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय ने एमओयू की कड़ी में एक और कदम बढ़ाया है. अब विश्वविद्यालय ने रामकृष्ण सेवाश्रम बेला के साथ एमओयू किया है. दो दर्जन से अधिक संस्थानों के साथ बीआरएबीयू का करार हो चुका है. विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.दिनेश चंद्र राय व रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम के सेक्रेटरी स्वामी भवात्मानंद ने एमओयू पर हस्ताक्षर किया. यह समझौता 5 वर्षों के लिए किया गया है. इसके तहत दोनों संस्थान साझेदारी में वर्कशॉप, सेमिनार, योग शिविर व अन्य गतिविधियों का संचालन करेंगे.

पैट- 2022 के अभ्यर्थियों की मेधा सूची तैयार : मुजफ्फरपुर. बीआरए बिहार विश्वविद्यालय ने पीएचडी एडमिशन टेस्ट-2022 में सफल हुए अभ्यर्थियों के साक्षात्कार के बाद फाइनल मेधा सूची तैयार कर ली है. विभागवार अभ्यर्थियों की सूची को अंतिम रूप दिया जा रहा है. विश्वविद्यालय खुलते ही एक-दो दिनों में इसे वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाएगा. इसके बाद चयनित अभ्यर्थी संबंधित विभाग में जाकर नामांकन की प्रक्रिया करेंगे.

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR
DATE : 16.09.2024, PAGE-04

अधिवेशन में कुलपति सम्मानित

बिहार विश्वविद्यालय और आइआइटी पटना के बीच समझौता पर हुआ हस्ताक्षर.

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.दिनेश चंद्र राय को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) पटना में आयोजित महामना मालवीय मिशन के 15वें राष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मानित किया गया. सम्मेलन में प्रमुख शिक्षाविद् बीएचयू के संस्थापक महामना मदन मोहन मालवीय के आदर्शों और दृष्टि के लिए समर्पित विचारक और शिक्षाविदों ने भाग लिया. सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में प्रो.शंकर बी टोटावाड़ी और प्रभावशाली विचारक श्री केएन गोविंदाचार्य मौजूद थे. महामना मालवीय मिशन के आदर्शों और उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के उनके प्रयासों के लिए कुलपति प्रो. डीसी राय को सम्मानित किया. कुलपति प्रो.राय ने कहा कि न सिर्फ अकादमिक बल्कि छात्रों का सर्वांगीण विकास और उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक बनाना ही संस्थानों का मूल लक्ष्य होना चाहिए. बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के मिशन और विजन को आगे बढ़ाने और इसे ज्ञान के एक उत्कृष्ट केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी. कुलपति को बधाई देने वालों में प्रो.ओम प्रकाश राय, प्रो. बीएस राय, प्रो.राजीव कुमार, प्रो.राजीव झा, डॉ संजय सिन्हा, केके चौधरी, प्रो.कल्याण कुमार झा, डॉ अमर बहादुर शुक्ला, डॉ नवीन कुमार, समेत अन्य शामिल हैं.